1. यहाँ 'सुमन' शब्द किसके लिए आया है?

(क) फूल ☐ (ख) अच्छा मन ☐

(ग) देशवासी ☐ (घ) पुष्प ☐

2. सबको क्या चीज़ एक समान मिली है?

(क) धरती ☐ (ख) धूप ☐

(ग) जल ☐ (घ) ये सभी चीज़ें ☐

3. 'पवन' शब्द का कौन सा शब्द पर्यायवाची नहीं है?

(क) वायु ☐ (ख) हवा ☐

(ग) समीर ☐ (घ) अग्नि ☐

4. इस कविता के रचयिता हैं।

(क) द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी ☐ (ख) राधिका प्रसाद द्विवेदी ☐

(ग) सुमित्रानंदन पंत ☐ (घ) मैथिलीशरण गुप्त ☐

• Critical Thinking Skills

सरलार्थ लिखिए–

काँटों में खिलकर हम सबने
हँस-हँस कर है जीना सीखा
एक सूत्र में बँधकर हमने
हार गले का बनना सीखा।
सबके लिए सुगंध हमारी
हम श्रृंगार धनी-निर्धन के।

इन पंक्तियों में बताया गया है कि हर प्रकार की मुसिबतों में भी हमने हँस-हँस कर जीना सीखा है। एक साथ मिलकर हम सब गले के हार की तरह है जो अपनी खुशबू अमीर-गरीब सबके लिए देते है।

कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए– • Problem Solving Skills

सूरज एक हमारा जिसकी

किरणें उर की कली खिलातीं।

एक हमारा चाँद, चाँदनी

जिसकी हम सबको नहलाती।

आपकी सोच • Critical Thinking Skills

'अनेकता में एकता' विषय के बारे में दो वाक्य सोचकर लिखिए।

1) अनेकता में एकता देश के भीतर शांति बनाए रखने में मदद

2) भारत विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में अपनी पहचान

भाषा की बात • Grammatical Skills

1. **पर्यायवाची शब्द–**

उदाहरण देखकर दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

फूल	–	सुमन	पुष्प	कुसुम
धरती	–	भूमि	पृथ्वी	भू
सूरज	–	सूर्य	रवि	दिनकर
चाँद	–	शशि	राकेश	कलाधर निशापति
गगन	–	आसमान	आकाश	अंबर

'सुगंध' शब्द 'सु + गंध' से मिलकर बना है। 'सु' का अर्थ है- अच्छी।

'सु' का प्रयोग करते हुए तीन अन्य शब्द लिखिए–

सु सुमन सु सुंदर सु सुरीला

2. विलोम शब्द लिखिए–

धनी	–	निर्धन	सुंदर	–	कुरूप
सुगंध	–	दुर्गंध	जीना	–	मरना

3. तुक मिलाइए–

क्यारी	–	प्यारी	मिट्टी	–	खट्टी
गगन	–	मगन	धरती	–	जलती

रचनात्मक गतिविधि

• Emotional/Mental Development

1. इस कविता को पढ़िए और आनंद लीजिए–

देखो कैसे-कैसे फूल खिले हैं।
आपस में सब हिले-मिले हैं।
फूलों पर उड़ती हैं तितली।
भौरों की कतार है पतली।
सरसों फूली है खेतों में।
अलसी दुलहन बनी खेतों में।
ठिगना चना दूल्हा बना है।
खेतों का दृश्य सुंदर बना है।
बसंत ऋतु की शोभा छाई,
मन में है मस्ती सी छाई।
आओ, प्रकृति का ले लें मज़ा,
यहाँ नहीं है कोई सज़ा।